Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

इतिहास

भाग - 2

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

अध्याय - 7

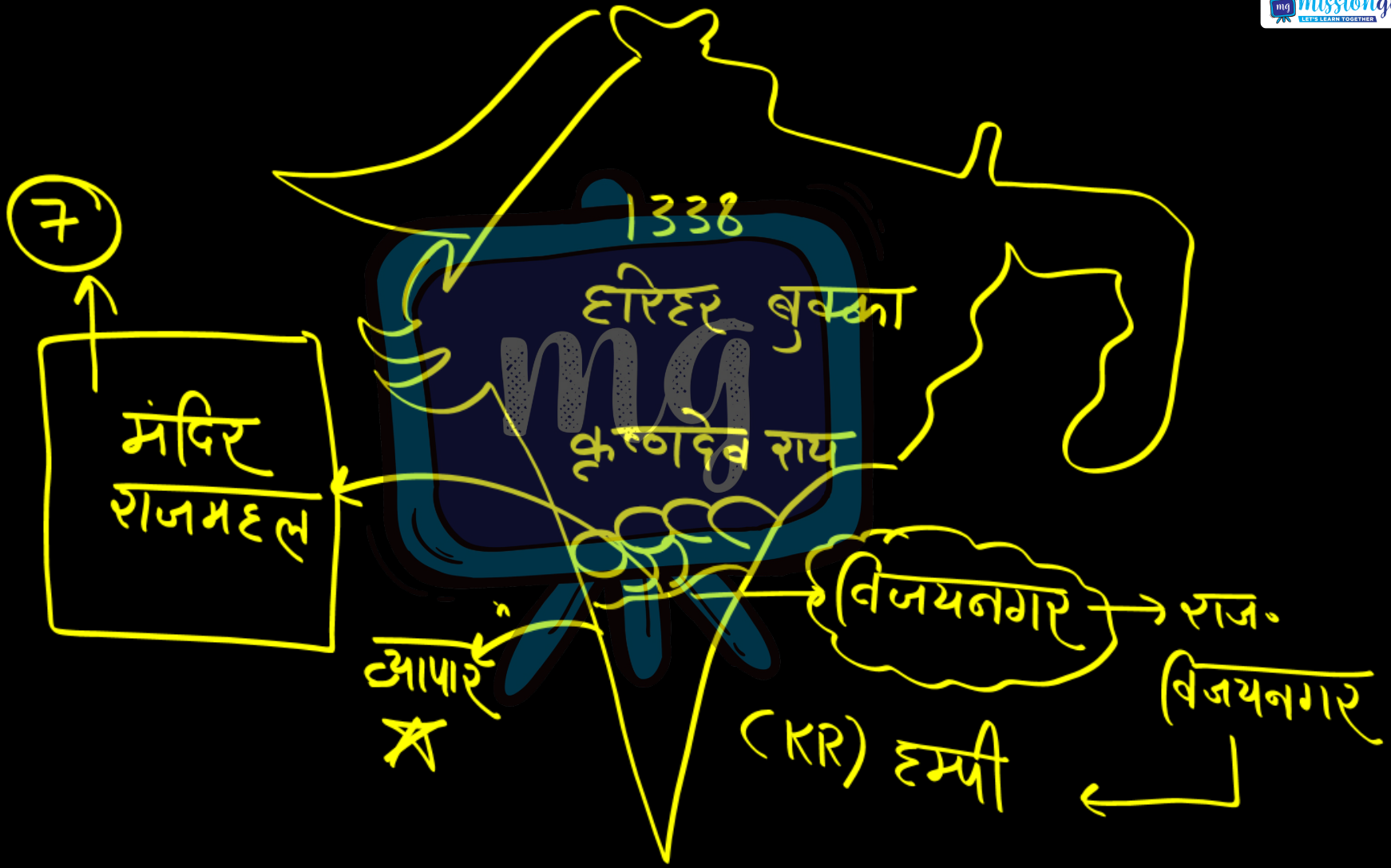
एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर

भाग - 1

Pritesh Joshi

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



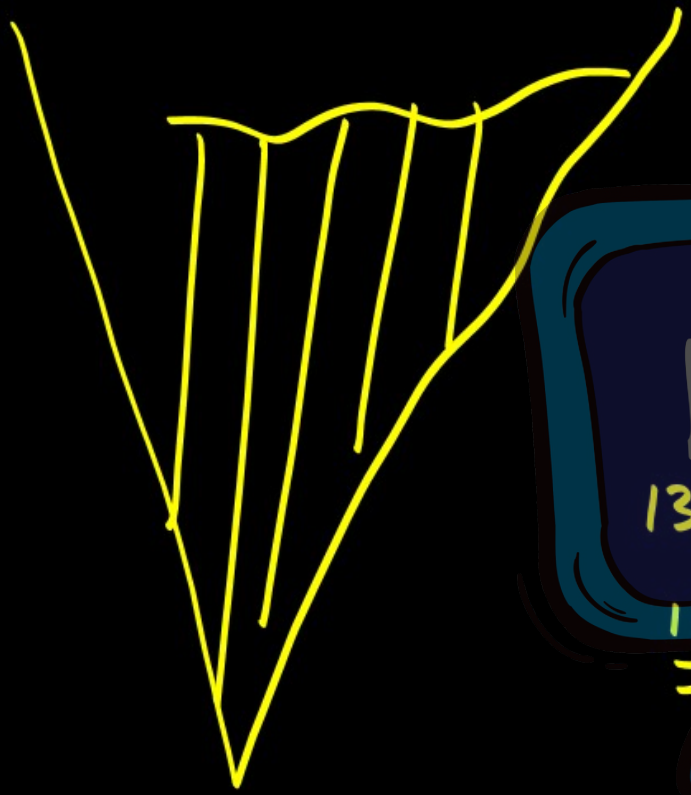
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

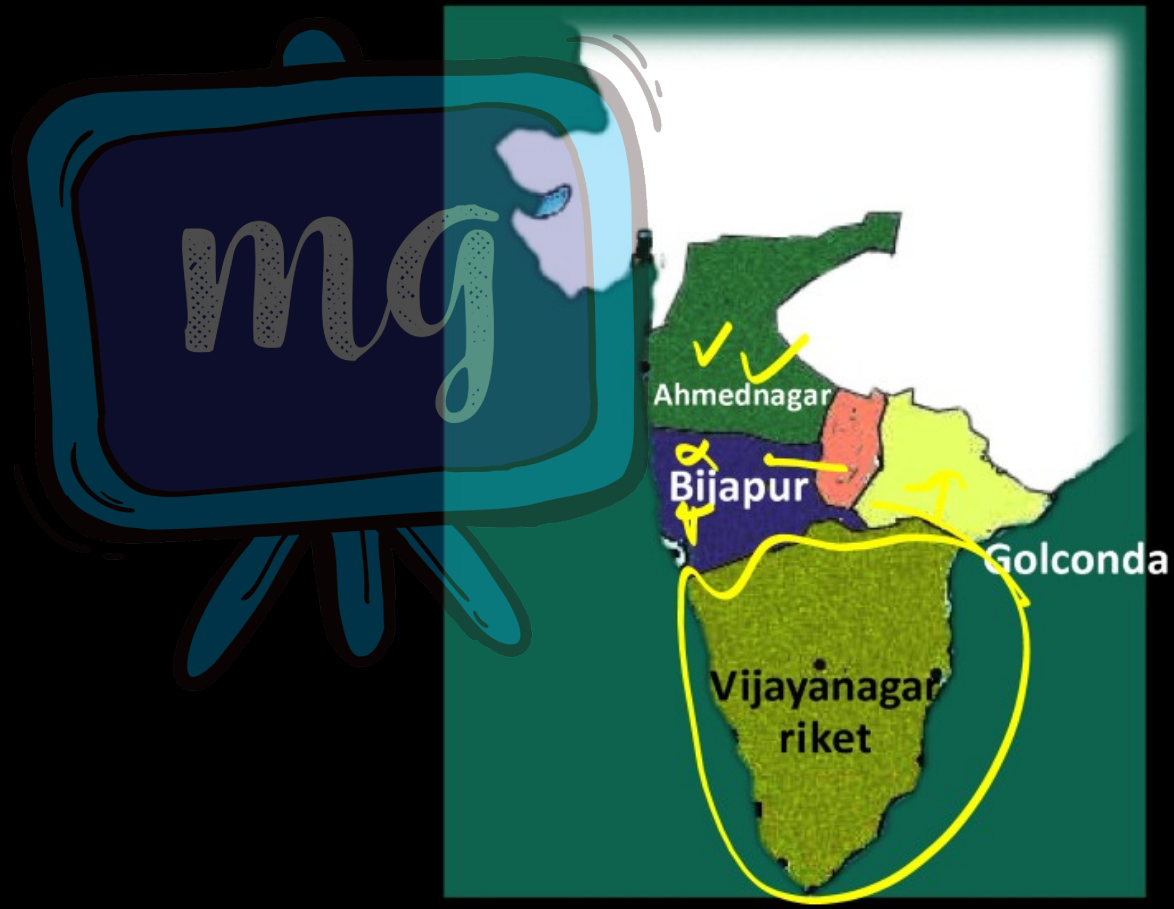
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- विजयनगर अथवा "विजय का शहर" एक शहर और एक साम्राज्य, दोनों के लिए प्रयुक्त नाम था। इस साम्राज्य की स्थापना चौदहवीं शताब्दी में की गई थी।
- स्थापना :- दो भाइयों–हरिहर और बुक्का–द्वारा 1336 में की गई थीं।
- अपने चरमोत्कर्ष पर यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण तक फैला हुआ था।

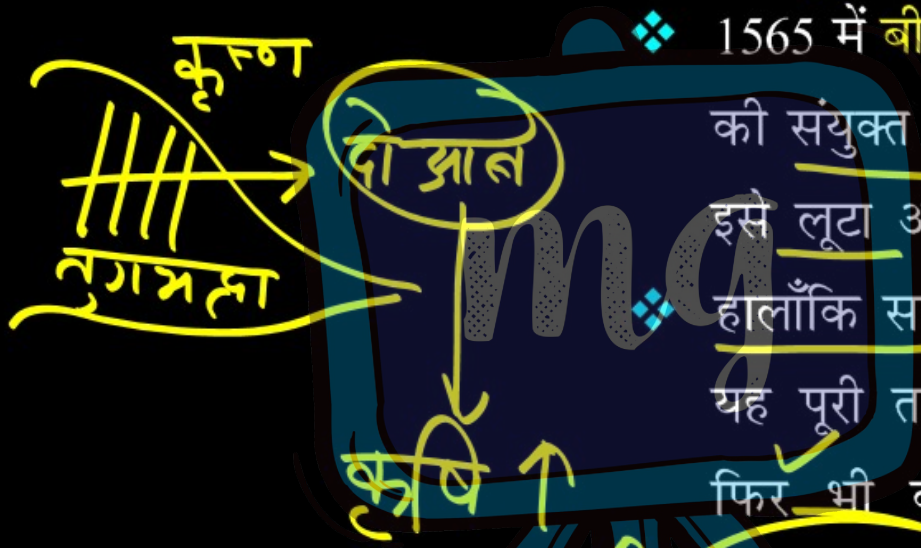
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- 1565 में बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुण्डा की संयुक्त सेनाओं ने इस पर आक्रमण कर इसे लूटा और बाद में यह उजड़ गया।
- हालाँकि सत्रहवीं-अठारहवीं शताब्दियों तक यह पूरी तरह से विनष्ट हो गया था, पर फिर भी कृष्णा-तुंगभद्रा दोआब क्षेत्र के निवासियों की स्मृतियों में यह जीवित रहा।
- उन्होंने इसे हम्पी नाम से याद रखा। इस नाम का आविर्भाव यहाँ की स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी के नाम से हुआ था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- हम्पी की खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेन्जी द्वारा की गई।
- इन मौखिक परंपराओं के साथ-साथ पुरातात्विक खोजों, स्थापत्य के नमूनों, अभिलेखों तथा अन्य दस्तावेज़ों ने विजयनगर साम्राज्य को पुनः खोजने में विद्वानों की सहायता की।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

हम्पी की खोज

- हम्पी के भग्नावशेष 1800 ई. में एक अभियंता तथा पुराविद कर्नल कॉलिन मैकेन्जी द्वारा प्रकाश में लाए गए थे।
- मैकेन्जी, जो ईस्ट इण्डिया कंपनी में कार्यरत थे, ने इस स्थान का पहला सर्वेक्षण मानचित्र तैयार किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उनके द्वारा हासिल शुरुआती जानकारियाँ विरुपाक्ष मंदिर तथा पम्पादेवी के पूजास्थल के पुरोहितों की स्मृतियों पर आधारित थीं।
- 1836 से ही अभिलेखकर्ताओं ने यहाँ और हम्पी के अन्य मंदिरों से कई दर्जन अभिलेखों को इकट्ठा करना आरंभ कर दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कॉलिन मैकेन्जी

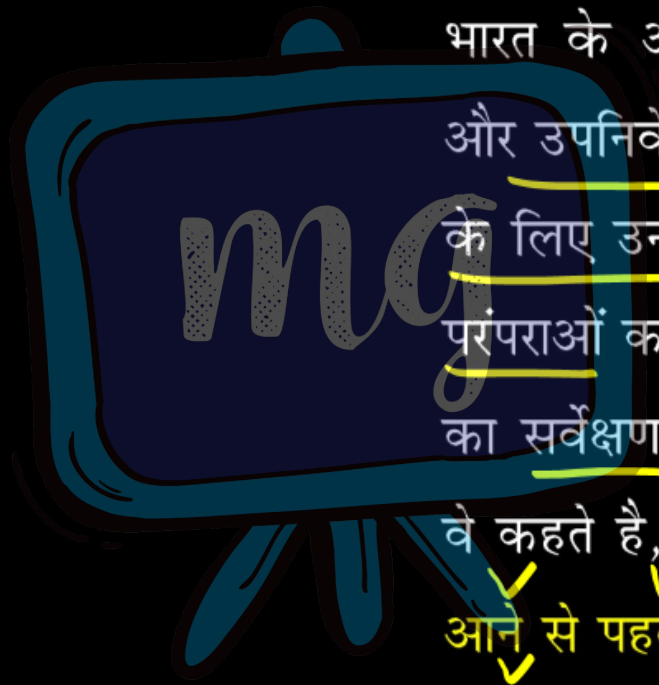


1754 ई. में जन्मे कॉलिन मैकेन्जी ने एक अभियंता, सर्वेक्षक, तथा मानचित्रकार के रूप में प्रसिद्धि हासिल की।

1815 में उन्हें भारत का पहला सर्वेयर जनरल बनाया गया और 1821 में अपनी मृत्यु तक वे इस पद पर बने रहे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



भारत के अतीत को बेहतर ढंग से समझने और उपनिवेश के प्रशासन को आसान बनाने के लिए उन्होंने इतिहास से संबंधित स्थानीय परंपराओं का संकलन तथा ऐतिहासिक स्थलों का सर्वेक्षण करना आरंभ किया।

वे कहते है, "ब्रिटिश प्रशासन के सुप्रभाव में आने से पहले दक्षिण भारत खराब प्रबंधन की दुर्गति से लंबे समय तक जूझता रहा।"

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



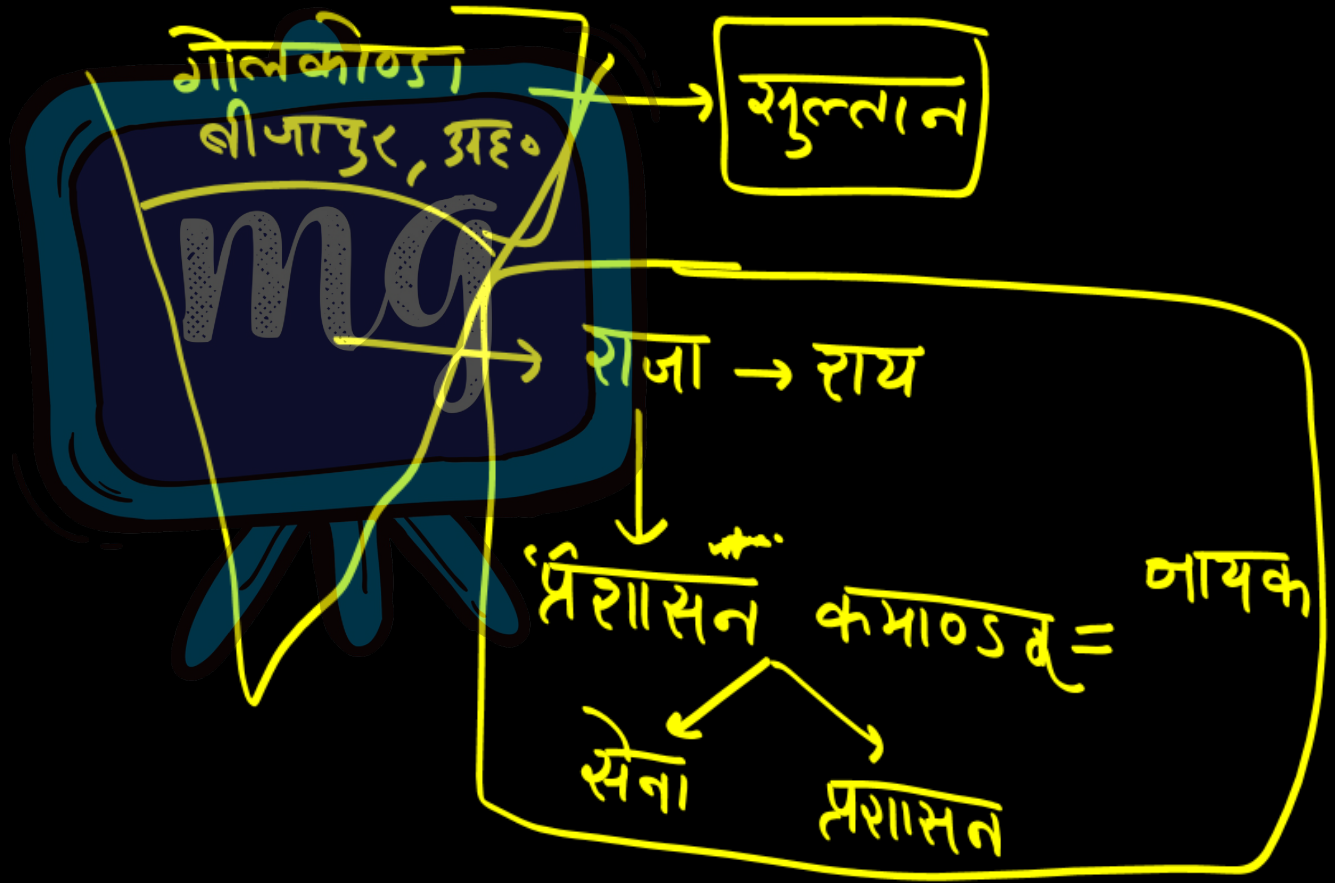
Q विजयनगर आज कहां स्थित है, तथा इसका उद्भव व पतन किस प्रकार हुआ?

Q. कॉलिन मर्केंजी पर एक लेख लिखें?

Under CSR Support by ipca | Foundation

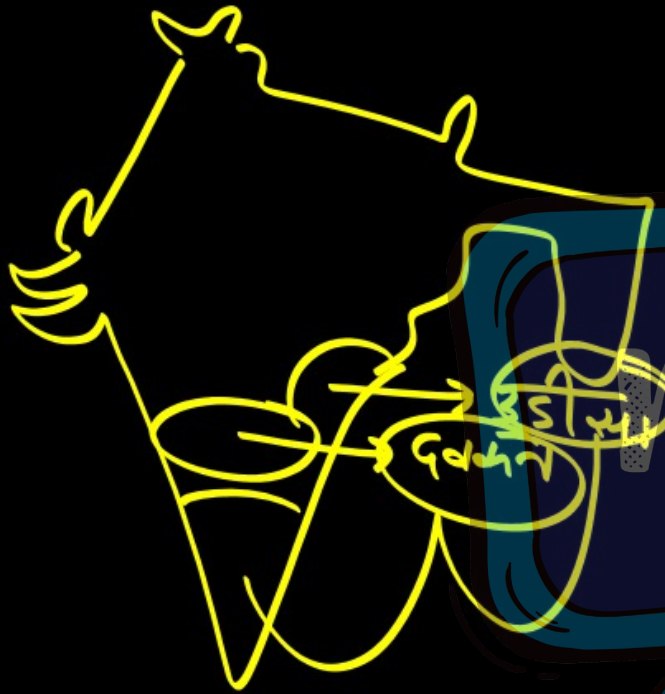
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राय नायक सुल्तान



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



राय, नायक तथा सुलतान

- अभिलेखीय साक्ष्यों के अनुसार विजयनगर साम्राज्य की स्थापना दो भाइयों हरिहर और बुक्का द्वारा 1336 में की गई थी।
- विजयनगर शासकों ने अपने समकालीन राजाओं, जिनमें दक्कन के सुलतान तथा उड़ीसा के गजपति शासक शामिल थे, उर्वर नदी घाटियों तथा लाभकारी विदेशी व्यापार से उत्पन्न संपदा पर अधिकार के लिए संघर्ष किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- साथ ही इन राज्यों के बीच संपर्क से विचारों का आदान-प्रदान, विशेष रूप से स्थापत्य के क्षेत्र में, होने लगा।
- विजयनगर के शासकों ने अवधारणाओं और भवन निर्माण की तकनीकों को ग्रहण किया जिन्हें उन्होंने आगे और विकसित किया।
- इस साम्राज्य के कई भागों ने पहले शक्तिशाली राज्यों जैसे तमिलनाडु में चोलों और कर्नाटक में होयसालों के राज्य का विकास देखा था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

मंदिर

बड़े - बड़े तोरण द्वार

गोपुरम

- इन क्षेत्रों के शासक वर्ग ने विशाल मंदिरों जैसे तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर तथा बेलूर के चन्नकेशव मंदिर को संरक्षण प्रदान किया था।



- विजयनगर के शासकों, जो अपने आप को राय कहते थे, ने इन परंपराओं को आगे बढ़ाया और उन्हें नयी ऊँचाइयों तक पहुँचाया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



शासक और व्यापारी

- इस काल में युद्धकला प्रभावशाली अश्वसेना पर आधारित होती थी, इसलिए प्रतिस्पर्धी राज्यों के लिए अरब तथा मध्य एशिया से घोड़ों का आयात बहुत महत्त्वपूर्ण था।
- यह व्यापार आरंभिक चरणों में अरब व्यापारियों द्वारा नियंत्रित था।
- 1498 ई. से कुछ और लोग पटल पर उभर कर आए। ये पुर्तगाली थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनकी बेहतर सामरिक तकनीक, विशेष रूप से बंदूकों के प्रयोग ने उन्हें इस काल की उलझी हुई राजनीति में एक महत्त्वपूर्ण शक्ति बनकर उभरने में सहायता की।
- विजयनगर भी मसालों, वस्त्रों तथा रत्नों के अपने बाज़ारों के लिए प्रसिद्ध था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन

- राजनीति में सत्ता के दावेदारों में शासकीय वंश के सदस्य तथा सैनिक कमांडर शामिल थे।
- पहला राजवंश, जो संगम वंश कहलाता था, ने 1485 तक नियंत्रण रखा।
- उन्हें सुलुवों ने उखाड़ फेंका, जो सैनिक कमांडर थे और वे 1503 तक सत्ता में रहे।
- इसके बाद तुलुवों ने उनका स्थान लिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



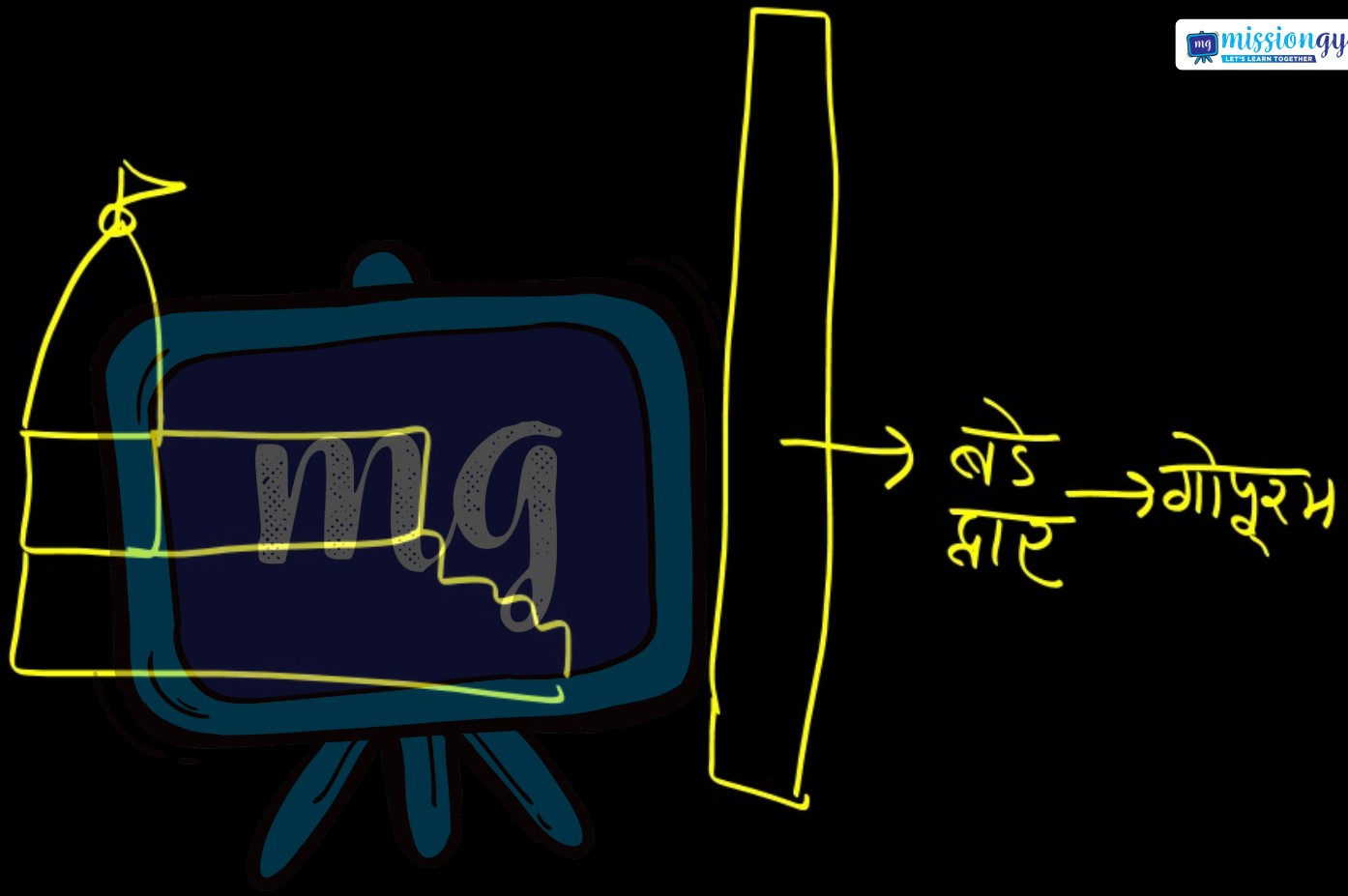
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कृष्णदेव राय तुलुव वंश से ही संबद्ध था।
- कृष्णदेव राय के शासन की चारित्रिक विशेषता विस्तार और दृढ़ीकरण था।
- इसी काल में तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों के बीच का क्षेत्र (रायचूर दोआब) हासिल किया गया (1512), उडीसा वे शासकों का दमन किया गया (1514) तथा बीजापुर के सुल्तान को बुरी तरह पराजित किया गया था (1520)।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- कुछ बेहतरीन मंदिरों के निर्माण तथा कई महत्त्वपूर्ण दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों को जोड़ने का श्रेय कृष्णदेव को ही जाता है।
- उसने अपनी माँ के नाम पर विजयनगर के समीप ही नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना भी की थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- कृष्णदेव राय की मृत्यु के पश्चात 1529 में राजकीय ढाँचे में तनाव उत्पन्न होने लगा।
- उसके उत्तराधिकारियों को विद्रोही नायकों या सेनापतियों से चुनौती का सामना करना पड़ा।
- 1542 तक केंद्र पर नियंत्रण एक अन्य राजकीय वंश, अराविदु के हाथों में चला गया ।

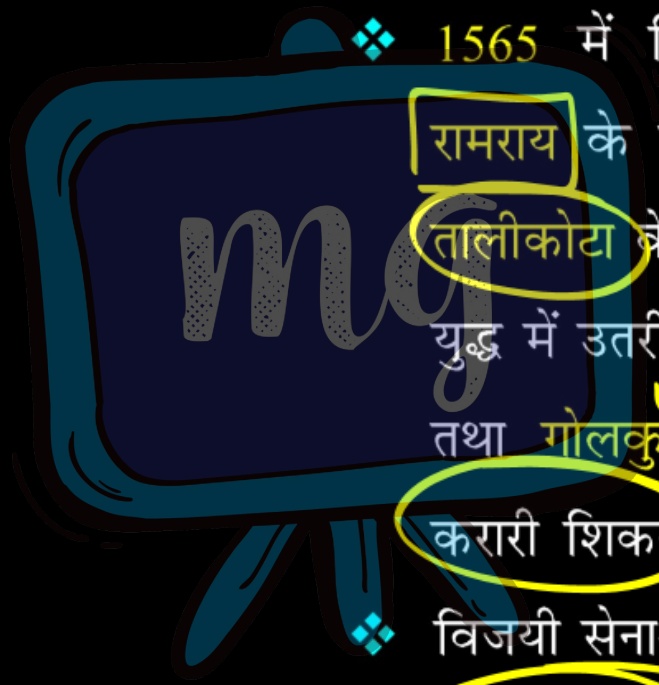
Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पहले की ही तरह इस काल में भी विजयनगर शासकों और साथ ही दक्कन सल्तनतों के शासकों की सामरिक महत्त्वाकांक्षाओं के चलते समीकरण बदलते रहे।
- दक्कन सल्तनत :- बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुण्डा।
- अंततः यह स्थिति विजयनगर के विरुद्ध दक्कन सल्तनतों के बीच मैत्री-समझौते के रूप में परिणत हुई।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- 1565 में विजयनगर की सेना प्रधानमंत्री रामराय के नेतृत्व में राक्षसी-तांगड़ी (जिसे तालीकोटा के नाम से भी जाना जाता है) के युद्ध में उतरी जहाँ उसे बीजापुर, अहमदनगर तथा गोलकुण्डा की संयुक्त सेनाओं द्वारा करारी शिकस्त मिली।
- विजयी सेनाओं ने विजयनगर शहर पर धावा बोलकर उसे लूटा।